अध्यक्षता में साप्ताहिक बैठक का आयोजन

कुचामन सिटी। उपखण्ड अधिकारी कुचामन सिटी रामसुख गुर्जर की अध्यक्षता में साप्ताहिक बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान सभी ब्लॉक लेवल अधिकारियों को 01 मई 2018 से शुरू होने वाले राजस्व लोक अदालत न्याय आपके द्वारा 2018 के संबंध में निर्देशित किया गया कि संबंधित ग्राम पंचायत में शिवर से पूर्व ही आप अपने अधिनस्थ कार्यालय का निरीक्षण करें। सहायक अभियन्ता जलदाय विभाग को निर्देशित किया गया कि शिविर से पूर्व संबंधित ग्राम पंचायत में पानी पाईप लाईनों की जांच करें और किसी प्रकार की पाईप लाईन में समस्या हो तो निस्तारण करें। बिजली विभाग को विद्युत पोलों, ट्रांसफार्मर व ढ़ीले तारों की जांच कर व समस्या सामाधान हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में श्री महावीर प्रसाद शर्मा तहसीलदार कुचामन सिटी, श्री विजय प्रकाश विकास अधिकारी पंचायत समिति कुचामन सिटी आदि ब्लॉक लेवल अधिकारी उपस्थित रहें। एक मई को ग्राम अड़कसर के अटल सेवा केन्द्र पर राजस्व लोक अदालत न्याय आपके द्वारा अभियान 2018 आयोजित किया जावेगा।रामसुख गुर्जर उपखण्ड अधिकारी कुचामन सिटी द्वारा ग्राम पंचायत पलाड़ा, नारायणपुरा व मण्डावरा में विशेष जनसुनवाई की गयी। जनसुनवाई के दौरान दर्ज प्रकरणों का अविलम्ब निस्तारण किये जाने हेतु संबंधित विभागों को मौके पर निर्देशित किया गया।

स्कूलों में मनाया

ज्ञान प्राप्त करने के लिए जिज्ञासु होना आवश्यक : प्रो. चौधरी

पिलानी। स्कूली विद्यार्थियों को विज्ञान व अनुसंधान की ओर आकर्षित करने के उद्देश्यन से सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉजनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्था न (सीरी) में आज एक-दिवसीय ग्रीष्मरकालीन विज्ञान अनुसंधान शिविर जिज्ञासा-2018 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में झुंझुनूं, खेतड़ी नगर, चूरू, सीकर, नारनौल और इंद्रपुरा के केंद्रीय विद्यालयों के कक्षा 9, 10, 11 तथा 12 के लगभग 300 विद्यार्थी और उनके शिक्षक सम्मिलित हुए।

केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों व उनके शिक्षकों के लिए आयोजित किए गए इस कार्यक्रम का उद्देश्यु विद्यार्थियों की कल्पयना शक्ति को जाग्रत करते हुए उन्हेंल विज्ञान तथा वैज्ञानिक अनुसंधान की ओर आकर्षित करना है। इस कार्यक्रम में प्रस्तुनतीकरणों, सच्ची घटनाओं व परस्पैर चर्चा आदि के माध्यधम से संस्थारन के वैज्ञानिकों का यह प्रयास होगा कि किशोर छात्र-छात्राएँ नए व नवाचारी(इनोवेटिव) विचारों के साथ सामने आएं। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक प्रोफेसर शान्तरनु चौधुरी ने की। इस अवसर पर प्रतिभागी विद्यार्थियों व शिक्षकों के अलावा संस्थासन के वैज्ञानिक एवं अन्यो सहकर्मी भी उपस्थित थे।संस्था न के मुख्यभ सभागार में आयोजित कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में संबोधित करते हुए संस्था न के निदेशक प्रोफेसर शान्तनु चौधुरी ने सभी प्रतिभागियों का स्वाुगत किया। अपने संबोधन में उन्हों ने जिज्ञासा कार्यक्रम की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए उसकी उपयोगिता बताई। परस्पर संवाद के द्वारा उन्होंने विद्यार्थियों से उनकी रुचियों की जानकारी प्राप्त की। अपने संबोधन में उन्होंने विज्ञान की शाखाओं - भौतिकी, रसायन, जीवविज्ञान व गणित के परस्पारर संबंध को समझाते हुए कहा कि ज्ञान प्राप्तह करने के लिए जिज्ञासु होना बहुत आवश्यचक है और साथ ही, इसके लिए हमें प्रश्न पूछने में संकोच को त्यागिना होगा।

कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में प्रोफेसर चौधुरी ने अपने छात्र और शैक्षणिक जीवन के अनुभवों को भी साझा किया। आमंत्रित शिक्षकों का भी आह्वान करते हुए उन्होंने छात्र-छात्राओं को यथासंभव सहयोग करने की आवश्य्कता पर बल दिया। अंत में उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी विद्यार्थी उन्हें प्रदान किए गए। इस विशिष्ट अवसर का लाभ उठाएँगे और प्रश्न पूछ कर अपनी जिज्ञासाओं को शांत करेंगे।कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ सुचंदन पाल, वरिष्ठत प्रधान वैज्ञानिक ने कहा कि यह एक-दिवसीय अनुसंधान शिविर छात्रों के लिए वैज्ञानिकों के व्याख्यांनों से कहीं अधिक रुचिकर व ज्ञानवर्धक सिद्ध होगा। उन्हों ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए इस कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला ।

उन्होंने कहा कि आज के इस कार्यक्रम के बाद में इनोवेशन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा जिसमें छात्रों से ज्व्लंत सामाजिक और प्रौद्योअगिकीय चुनौतियों के संबंध में वैज्ञानिक प्रस्तोव (प्रोपोजल) आमंत्रित किए गए हैं। इस प्रतियोगिता के लिए नामांकन आमंत्रित किए जा चुके हैं। निर्धारित फार्मेट में प्रस्ताव भेजने की अंतिम तिथि 6 मई, 2018 है। चयनित प्रस्तावों पर 28 मई 2018 को विद्यार्थियों का प्रस्तु तीकरण होगा तथा 1 जून, 2018 को परिणाम की घोषणा की जाएगी। इसके बाद इन चयनित विद्यार्थियों को संस्था न की प्रयोगशालाओं में स्वयं कार्य करने और अपनी वैज्ञानिक सोच को विकसित करने का अवसर भी दिया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को अलग-अलग समूहों में संस्थाकन की विभिन्न प्रयोगशालाओं का परिदर्शन कराया गया। विद्यार्थियों और शिक्षकों को संस्थान द्वारा विकसित समाजोपयोगी एवं राष्ट्री य महत्व् की प्रौद्योगिकियों की जानकारी दी गई। इस दौरान उत्साही और जिज्ञासु विद्यार्थियों ने वैज्ञानिकों से अनेक प्रश्नव पूछे। युवा वैज्ञानिकों ने उत्त र देकर उनकी जिज्ञासा शांत करने का प्रयास किया।समापन सत्र में परिचर्चा सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्रोफेसर राज सिंह, डॉ कमलजीत रांगरा, डॉ सुचंदन पाल आदि वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। संस्थाहन के वैज्ञानिकों ने प्रतिभागी विद्यार्थियों के कुतूहल को समझते हुए उनके प्रश्नों का सरल भाषा में उत्तर दिया। उन्होंने बच्चों को समझाने के लिए वैज्ञानिक क्षेत्र के उदाहरण देने के साथ-साथ अपने जीवन के अनुभव भी साझा किए। क्याउ है 'जिज्ञासा' कार्यक्रम यह महत्वाहकांक्षी कार्यक्रम 'जिज्ञासा' देश के स्कूली विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के उद्देश्य से वर्ष 2017 में भारत सरकार के अनुसंधान संगठन 'सीएसआईआर' और केंद्रीय विद्यालय संगठन के बीच हुए समझौता ज्ञापन के परिणाम स्वरूप आयोजित किया जा रहा है।

नई दिल्ली में हुए इस समझौता ज्ञापन के आदान प्रदान के अवसर पर केंद्रीय विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ हर्षवर्धन तथा केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का उद्देश्या स्कूली विद्यार्थियों की कल्पना शक्ति को जाग्रत करते हुए उन्हें करियर के रूप में वैज्ञानिक अनुसंधान के विकल्पश की जानकारी देने के साथ-साथ विज्ञान तथा वैज्ञानिक अनुसंधान की ओर आकर्षित करना है।

चिड़ावा में लगा गहलोत के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर

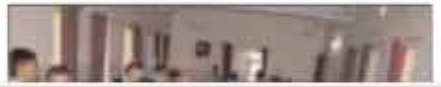

रक्त एकत्र किया गया। सूरजगढ़ विधायक श्रवणकुमार, पूर्व प्रशासनिक

जीवन का एक-एक पल मूल्यवान

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान के बड़ी स्थित सेवामहातीर्थ परिसर में त्रिदिवसीय

वन्यजीव संख्या घनत्व अनुमान कार्यक्रम को लेकर प्रशिक्षण 10 को

उदयपुर। वन्यजीव संख्या घनत्व अनुमान कार्यक्रम को दृष्टिगत रखते हुए वर्ष 2018 में वन्यजीव संख्या घनत्व अनुमान गणना कार्य

जूडो में उत्कृष्ट प्रदर्शन

उदयपुर। उदयपुर जिला जूडो एसोसिएशन के तत्वावधान में माउंट

HDFC Life Click2Protect 3D A non-linked, non-participa... Get t wort at l ₹1 BU Disclaimer *Online Premium for Inc Lumpsum Benefit of ₹10 Cover for 15 years (Total 30 years, Regular Pay, A Other Statutory Levies. (approx.).